

# टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

22R

संस्कृत विशारद (बी.ए.) – नियमित

परीक्षा : मे- २०२५

सत्र ६ वे

विषय: व्याकरण-६ (22R461)

दिनांक : १३/०५/२०२५

गुण : ६०

वेळ : स. १०.०० ते १२.३०

सूचना : सर्व प्रश्न अनिवार्य

प्र. १. कान्यपि त्रीणि सूत्राणि स्पष्टीकुरुत।

(३०)

१. चार्थे द्वन्द्वः।
२. कर्तृकरणे कृता बहुलम्।
३. तत्रोपपदं सप्तमीस्थम्।
४. अनेकमन्यपदार्थे।
५. पञ्चम्याः स्तोकादिभ्यः।

प्र. २. रूपाणां परिचयं कारयत। (केवलं दश)

(१०)

- |                 |             |               |             |
|-----------------|-------------|---------------|-------------|
| १. उत्तिष्ठमानः | २. वाम्     | ३. दुःखीकरोति | ४. वाचम्    |
| ५. विरराम       | ६. समेत्य   | ७. भाविनम्    | ८. मनोः     |
| ९. भवन्तु       | १०. वस्तुनि | ११. वपुः      | १२. सर्वासु |

प्र. ३. अधोदत्तानि वाक्यानि संस्कृतभाषायाम् अनुवदत (केवलं दश)

(१०)

- |                                       |                                                    |
|---------------------------------------|----------------------------------------------------|
| १. क्रीडांगणावर अकरा खेळाडू खेळत आहेत | २. शाळेमध्ये गोंधळ करू नये.                        |
| ३. पावसाळ्यात मोर आनंदाने नाचतात.     | ४. गुरुशिवाय विद्या संभवत नाही.                    |
| ५. कालिदासाने मेघदूत रचले.            | ६. समुद्राच्या वाळूत मुले किल्ला करतात.            |
| ७. वाचनामुळे माणूस समृद्ध होतो.       | ८. आजीआजोबा नातवंडांवर चिडत नाहीत.                 |
| ९. सकाळी लवकर उठून व्यायाम करावा.     | १०. नम्रपणा हा विद्यार्थ्यांचा महत्त्वाचा गुण आहे. |
| ११. सर्वत्र ज्ञानाचा प्रकाश पसरो.     | १२. संध्याकाळी साडेपाच वाजता आई घरी येते.          |

प्र. ५. सन्धीन् विघटयत।

(१०)

- |                |               |                 |                |
|----------------|---------------|-----------------|----------------|
| १. ततोऽधः      | २. चक्रुरेव   | ३. पानीयमानीय   | ४. दृष्ट्वेव   |
| ५. मन्दोऽपि    | ६. वज्रादपि   | ७. सवितुश्च     | ८. जनैर्न      |
| ९. ध्रुवमागताः | १०. जगत्यखिले | ११. कृतार्थस्तु | १२. ममानुज्ञया |

-----